आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 11 लखनऊ, रविवार 21 जून 2026 से 27 जून 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रुपया

योगी आदित्यनाथ का नेहरू पर बड़ा हमला, Somnath Temple का विरोध औपनिवेशिक मानसिकता थी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को झांसी में 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' को संबोधित करते हुए सोमनाथ मंदिर के इतिहास का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आजादी के ठीक बाद के वर्षों में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को उचित सम्मान नहीं मिला। गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद उप–प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने मंदिर के जीर्णोद्धार की पहल की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस कदम का विरोध किया था। योगी ने आगे कहा कि जब भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर में मूर्ति प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का फैसला किया, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री ने एक पत्र के जरिए उन्हें ऐसा करने से रोका था। मुख्यमंत्री के अनुसार, ऐसे फैसले औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाते थे, जिसका असर उस दौर में देश की नीतियों और सोच पर बना हुआ था। उन्होंने कहा देश पर अभी भी गुलामी की मानसिकता का असर था। इसी वजह से भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को वह पहचान नहीं मिल पाई, जिसकी वे हकदार थीं। मुख्यमंत्री ने

सांस्कृतिक पुनरुद्धार और राष्ट्रीय धरोहर को बचाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि भारत अब अपनी सभ्यता की जड़ों को लेकर गर्व की नई भावना महसूस कर रहा है। हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि आजाद भारत में पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े अहम धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया है, जिनमें अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास और प्राण–प्रतिष्ठा समारोह शामिल हैं। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए उन्होंने परिवार–केंद्रित राजनीति की। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का समर्थन खोने के बाद, इन दलों ने राजनीतिक फायदे के लिए समाज को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश की। उन्होंने कहाकि लोगों ने ऐसी राजनीति को नकार दिया है। जो लोग कभी सिर्फ अपने परिवारों के लिए काम करते थे, वे अब समाज में बंटवारा करने की कोशिश कर रहे हैं। योगी ने उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध के खिलाफ अपनी सरकार की सख्त कार्रवाई का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों की लगातार कार्रवाई से राज्य के माफिया नेटवर्क या तो खत्म कर दिए गए हैं या फिर बेअसर कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का ध्यान विकास, सुशासन और भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने पर बना हुआ है।

उत्तर प्रदेश में बनेगा नया कीर्तिमान, १.४२ करोड़ बच्चे करेंगे योग

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के १२वें आयोजन के अवसर पर २१ जून, रविवार को उत्तर प्रदेश के १.३२ लाख से अधिक सरकारी विद्यालयों और ७४६ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत लगभग १.४३ करोड़ छात्र–छात्राएं सामूहिक योग सत्रों में शामिल होंगे। राज्य सरकार की ओर से शनिवार को जारी एक बयान के अनुसार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेश भर के विद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें छात्र–छात्राओं के साथ शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक और अभिभावक भी हिस्सा लेंगे। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत ७८,००० से अधिक छात्राएं भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगी। इन कार्यक्रमों की प्रभावी निगरानी और समन्वय के लिए बेसिक शिक्षा निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। बयान में कहा गया है कि योग को जन–जन तक पहुंचाने और स्वस्थ जीवनशैली की आधारशिला बनाने के राज्य सरकार के प्रयास इस वर्ष के आयोजन में भी परिलक्षित होंगे। गांवों से लेकर शहरों तक विद्यालय परिसरों में योग संबंधी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में बेसिक शिक्षा विभाग ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। केंद्रीय आयुष मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप प्रदेश के सभी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशकों, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों तथा खंड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं। शिक्षा विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस केवल औपचारिक आयोजन बनकर न रह जाए, बल्कि विद्यार्थियों के बीच स्वस्थ आदतों और सकारात्मक जीवनशैली का स्थायी संदेश छोड़ सके। विभाग के निर्देशों के अनुसार २१ जून को विद्यालयों में सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम सत्र और योग के महत्व पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों को योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों की जानकारी भी दी जाएगी। योग के संदेश को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने के लिए अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में योग को विद्यालयी जीवन और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जोड़ने के लिए अनेक पहल की गई हैं। विद्यालयों में नियमित रूप से योग गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ–साथ विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मक सोच विकसित करने पर विशेष बल दिया गया है। बयान के अनुसार, २१ जून का यह व्यापक कार्यक्रम न केवल योग की वैश्विक पहचान को और मजबूत करेगा, बल्कि स्वस्थ, जागरूक और आत्मविश्वासी युवा पीढ़ी के निर्माण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा।

West Bengal में PM Modi का Mega Show: विकास, रक्षा और योग पर फोकस, देंगे करोड़ों की सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल पहुंचे। इस दौरान वह 'पश्चिमबंग दिवस' समारोह और रविवार को कोलकाता में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। मोदी अपने दौरे के दौरान स्वदेश निर्मित नौसेना के तीन जहाजों को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री पड़ोसी राज्य ओडिशा से हुगली जिले पहुंचे और वह तारकेश्वर में आयोजित हो रहे राज्य स्तरीय 'पश्चिमबंग दिवस' समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान वह रेलवे, कृषि, मत्स्य पालन, ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचे से संबंधित कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे और आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा, वह पीएम–किसान

योजना की २३वीं किस्त भी जारी करेंगे। प्रधानमंत्री रविवार सुबह रेड रोड पर आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करने से पहले कोलकाता स्थित लोक भवन में रात्रि विश्राम करेंगे।

UP के २.१७ करोड़ से अधिक किसानों के खाते में आई ४३५२.४० करोड़ की 'सम्मान निधि', CM योगी ने जताया PM का आभार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अन्नदाता किसानों की समृद्धि और खुशहाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल से पीएम किसान सम्मान निधि की २३वीं किस्त जारी की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर उत्तर प्रदेश के सभी किसानों की ओर से ऐतिहासिक सौगात के लिए प्रधानमंत्री का आभार

जताया। मुख्यमंत्री ने लिखा, ‘‘अन्नदाता किसानों की समृद्धि और खुशहाली प्रधानमंत्री मोदी के यशस्वी नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी संकल्प के तहत आज प्रधानमंत्री द्वारा पश्चिम बंगाल से 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की २३वीं किस्त के रूप में १८,८८० करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि देश के ९.४४ करोड़ से अधिक किसानों को हस्तांतरित की गई है।'' उन्होंने कहा, ''इनमें उत्तर प्रदेश के २.१७ करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं, जिनके खातों में ४,३५२.४० करोड़ रुपये की राशि सीधे पहुंची है। यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि अन्नदाता के परिश्रम, सम्मान और समृद्धि के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है।’’ एक आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल से पीएम किसान सम्मान निधि की २३वीं किस्त जारी की। इससे उत्तर प्रदेश के २.१७ करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए, उनके खाते में ४३५२.४० करोड़ रुपये की 'सम्मान निधि' आई। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ झांसी स्थित आयुक्त सभागार में इस कार्यक्रम से जुड़े। बयान के अनुसार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से दो–दो हजार रुपये सीधे लाभार्थी के खाते में हस्तांतरित हुए। इसके तहत पात्र किसान परिवार के एक सदस्य को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता वर्ष में दो–दो हजार रुपये प्रति किस्त के रूप में तीन बार में प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने २४ फरवरी २०१६ को गोरखपुर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत की थी।

सम्पादकीय

विश्वास पर चोट और खोखली व्यवस्था

अयोध्या के भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किए गए चढ़ावे और आभूषणों में गड़बड़ी का मामला केवल कुछ छोटे कर्मचारियों की लालच या साधारण चोरी तक सीमित नहीं है। विशेष जांच दल (SIT) की परत–दर–परत खुलती पड़ताल यह साफ इशारा कर रही है कि यह देश के करोड़ों सनातनी आस्थावानों के अटूट विश्वास पर एक बहुत बड़ा आघात है। जो मंदिर परिसर देश की अस्मिता और भक्ति का केंद्र है, वहां से श्रद्धालुओं की दी हुई चांदी की चरण पादुकाएं और रत्नों से जड़े हार गायब हो जाएं और उनका कोई रिकॉर्ड तक न मिले, यह बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है। इस पूरे प्रकरण ने देश के सबसे बड़े वित्तीय संस्थान, भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की साख और उसकी सुरक्षा–प्रक्रिया पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। जब बैंक के आला अधिकारियों ने मंदिर के चढ़ावे और चंदे की पाई–पाई सुरक्षित रखने का विस्तृत एमओयू (डवन) किया था, दानपात्रों की चाबियां बैंक के पास थीं, तो फिर यह सेंधमारी कैसे संभव हुई? यदि बैंक ने गणना के लिए किसी तीसरी एजेंसी (जैसे टीसीएस) को शामिल किया था, तो उसकी निगरानी और सत्यापन की जवाबदेही किसकी थी? बैंक और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बीच समन्वय की यह ढील इस बात का प्रमाण है कि नियम केवल कागजों तक सीमित रह गए थे। सबसे अधिक निराशाजनक पहलू मंदिर प्रबंधन और ट्रस्ट की सामूहिक जवाबदेही का पूरी तरह फेल होना है। प्रधानमंत्री के दूत माने जाने वाले निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अन्य रसूखदार न्यासियों की नाक के नीचे छह साल से लूट की स्क्रिप्ट लिखी जा रही थी, लेकिन उनकी आंखें तब खुलीं जब कलंक का टीका माथे पर लग चुका था। सेवानिवृत्त इंजीनियर दीनानाथ वर्मा के बयानों और जौनपुर के कारोबारी अजय विश्वकर्मा जैसे भुक्तभोगियों के दावों ने यह साबित कर दिया है कि निगरानी व्यवस्था में गंभीर 'सिस्टमैटिक फेलियर' (संस्थागत विफलता) था। एसआईटी की जांच अब अंतिम चरण में है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रिपोर्ट सौंपी जाने वाली है। सीसीटीवी फुटेज और दस्तावेजों के मिलान से असली गुनहगारों के चेहरे बेनकाब होना तय है। लेकिन इस जांच का असल मकसद केवल कुछ चेहरों को जेल भेजना नहीं होना चाहिए, बल्कि उस समूची व्यवस्था का कायाकल्प करना होना चाहिए जिसने इस पवित्र परिसर को दागदार किया। रामलला का दरबार पारदर्शिता और सुचिता का प्रतीक होना चाहिए, न कि प्रशासनिक लापरवाही और संस्थागत गैर–जिम्मेदारी का।

UP में लागू होगी यूनिक प्रॉपर्टी आईडी व्यवस्था : CM योगी ने दी हरी झंडी, धोखाधड़ी पर लगेगी रोक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में भूमि एवं संपत्ति प्रबंधन को पूरी तरह पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने के लिए यूनिक प्रॉपर्टी आईडी व्यवस्था को हरी झंडी दे दी है। इसके तहत किसी भी संपत्ति की पहचान, स्वामित्व और उससे जुड़े रिकॉर्ड की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। फर्जी स्वामित्व, विवादित संपत्तियों की बिक्री और धोखाधड़ी पर रोक लगेगी। भूमि पंजीकरण के साथ स्वतः नामांतरण प्रक्रिया हो जाएगी। इसके लिए विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने अचल संपत्तियों के पंजीकरण, स्वामित्व सत्यापन और नामांतरण प्रक्रिया में व्यापक सुधारों का खाका प्रस्तुत किया। प्रस्तावित व्यवस्था का उद्देश्य फर्जी स्वामित्व, विवादित संपत्तियों की बिक्री और धोखाधड़ी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना है। सरकार प्रदेश की सभी संपत्तियों को जीआईएस मैपिंग और आधिकारिक स्वामित्व अभिलेखों से जोड़कर यूनिक प्रॉपर्टी आईडी विकसित करेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वामित्व योजना के तहत घरौनी तैयार करने का कार्य पहले से चल रहा है,

जबकि शहरी क्षेत्रों में नगर निकायों और विकास प्राधिकरणों को यह जिम्मेदारी दी जाएगी। नई व्यवस्था के तहत संपत्ति का पंजीकरण पूरा होते ही नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः शुरू हो जाएगी। इसके लिए विभिन्न विभागों के रिकर्ड का एकीकरण, एपीआई आधारित डेटा साझाकरण और रियल टाइम अपडेट सिस्टम विकसित किया जाएगा। इससे लोगों को अलग–अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्रदेश में प्रत्येक भूमि पार्सल को यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नंबर (यूएलपीआईएन) यानी ''भू–आधार'' प्रदान किया जाएगा। यह जियो–रेफरेंस्ड पहचान संख्या भूमि रिकॉर्ड को विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म और जीआईएस प्रणालियों से जोड़ेगी, जिससे रिकॉर्ड अधिक सटीक और अद्यतन रहेंगे। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत संपत्ति कर, बिजली, पानी, सीवर, राजस्व और स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग के रिकॉर्ड को एकीकृत किया जाएगा। कॉमन प्रॉपर्टी आईडी आधारित यह प्रणाली विभिन्न विभागों के बीच डिजिटल डेटा साझा करने और कर संग्रहण को अधिक प्रभावी बनाएगी। सरकार ने पंजीकरण अधिनियम, १९०८ में नई धाराएं २२–ए, २२–बी और ३५–ए जोड़ने का प्रस्ताव रखा है। इससे संपत्ति के स्वामित्व और अधिकारों की पूर्व जांच अनिवार्य हो सकेगी और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर संपत्ति के लेनदेन पर अंकुश लगेगा।

आशियाना में बनेगा जुरासिक पार्क की थीम पर 'मैजिकल लैंड', ड्रैगन और यूनीक र्न बटोरेंगे सुर्खियां

लखनऊ। आशियाना का वनस्थली पार्क जल्द मैजिकल लैंड फैंटसी पार्क के रूप में सामने आएगा। जुरासिक पार्क की तरह ड्रैगन, यूनीक र्न, साइक्लोप्स, ऐरावत आदि के इंटरैक्टिव रोबोटिक मॉडल देखने को मिलेंगे। साथ ही सुप्रसिद्ध इंडियन फेयरी टेल 'पंचतंत्र' की कहानी व किरदार लोगों को लुभाएंगे। शुक्रवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने पार्क का निरीक्षण करके सितम्बर २०२६ तक पार्क तैयार करने के निर्देश दिए। उपाध्यक्ष ने बताया कि उपाध्यक्ष ने ज्योतिबा फुले जोनल पार्क का भी निरीक्षण किया। लगभग चार करोड़ से कराये जा रहे विकास एवं सौंदर्यीकरण के

आशियाना के सेक्टर–के में स्थित वनस्थली पार्क में थीम आधारित विकास कार्य कराया जा रहा है। यहां पीपीपी मोड पर लगभग १२ करोड़ रुपये की लागत से मैजिकल लैंड फैंटसी पार्क विकसित कर रहे हैं। इसमें निष्प्रयोज्य सामग्री के इस्तेमाल से मरमेड, फीनिक्स, जिनी, ग्रिफिन, वेयर वूल्फ, मोगली आदि के १२ लाइव मॉडल व स्कल्पचर्स स्थापित किए जा रहे हैं। इसके अलावा यहां ड्रैगन, यूनीकॉर्न, साइक्लोप्स, ऐरावत आदि के १० रोबोटिक मॉडल होंगे। पार्क में काफी बड़ी वॉटर बॉडी बन रही है। इसमें आकर्षक फाउंटेन स्थापित होगा। साथ ही वॉच टॉवर और टॉयलेट ब्लॉक बनेंगे। इस मौके पर मुख्य अभियंता मानवेन्द्र सिंह, अधीक्षण अभियंता नवनीत कुमार शर्मा, उद्यान अधिकारी शशि कुमार भारती, सहायक उद्यान अधिकारी कर्ण सिंह रहे। कार्य अंतिम चरण पर मिले। पार्क में मेसर्स एएमटी बिल्डर्स द्वारा बनाई जा रही एसटीपी एक माह के अंदर तैयार करके टेस्टिंग के साथ संचालन शुरू करने के निर्देश दिए। इसके अलावा गौतम बुद्ध शांति उपवन पार्ट–१, २ एवं ३ का निरीक्षण करके उपयुक्त स्थानों पर ओपन जिम व झूले लगाने के निर्देश दिये। एलडीए द्वारा शहीद पथ पर सिंचाई एवं हॉर्टीकल्चर का कार्य कराया जा रहा है। इसमें अंडरग्राउंड पाइप लाइन, ड्रिप लाइन, पॉप–अप स्प्रिंकलर व १२ स्थानों पर बोरिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। उपाध्यक्ष ने स्थल निरीक्षण करके कार्य की प्रगति की समीक्षा की। निर्देश दिये कि ३० जून तक सिंचाई व ३० जुलाई तक हॉर्टीकल्चर के सभी कार्य पूर्ण करें। ठेकेदार को चेतावनी दी कि यदि समय पर कार्य पूर्ण नहीं हुए तो कार्रवाई करेंगे।

अब आयुष्मान कार्ड के अप्रूवल, रिजेक्शन और डिसेबल जैसी समस्याओं के समाधान के लिएं, CMO और जिला आयुष्मान टीमों को मिले विशेष अधिकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों को बड़ी राहत मिली है। अब आयुष्मान कार्ड के अप्रूवल, रिजेक्शन और डिसेबल जैसी समस्याओं के समाधान के लिए लाभार्थियों को राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (साचीज) के लखनऊ स्थित कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इन मामलों का निस्तारण अब जिला स्तर पर ही किया जाएगा। साचीज की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ), नोडल आयुष्मान अधिकारियों और जिला कार्यान्वयन इकाइयों को विशेष तकनीकी आईडी उपलब्ध करा दी गई है। इसके माध्यम से अधिकारी लाभार्थियों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान कर सकेंगे। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा सेवाएं अधिक सुलभ बनेंगी। साचीज के अनुसार प्रदेश में क्लेम निस्तारण और भुगतान का औसत टर्न–अराउंड टाइम ५७ दिन है, जबकि राष्ट्रीय औसत ७३ दिन है। वर्तमान में करीब ५०० करोड़

रुपये की देनदारी लंबित है, जिसके निस्तारण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार और अस्पतालों को समयबद्ध भुगतान उपलब्ध कराना है। कई बार आवश्यक दस्तावेज समय पर प्रस्तुत न होने के कारण दावे अस्वीकृत हो जाते हैं। इसे देखते हुए साचीज अस्पतालों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रही है। इसमें दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेखों और स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइडलाइंस की जानकारी दी जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सख्त निगरानी भी की जा रही है। वित्तीय वर्ष २०२६–२७ में अनियमितताओं और गुणवत्ता मानकों के उल्लंघन पर लगभग २०० अस्पतालों को योजना से डी–एम्पैनल किया गया है। वहीं करीब ३०० अस्पतालों को अपकोडिंग और संदिग्ध दावों के जरिए अनुचित भुगतान प्राप्त करने के संदेह में चिन्हित किया गया है। इन अस्पतालों को नोटिस जारी कर विस्तृत फील्ड ऑडिट कराया जा रहा है। अनियमितता साबित होने पर संबंधित अस्पतालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ब्लू डॉट्सएआई: तकनीक के सारथी से थमेगा यूपी के युवाओं का पलायन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्थानीय स्तर पर रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं और कुशल जनशक्ति की खोज में जुटे उद्योगों के बीच की दूरी को पाटने के लिए योगी सरकार की 'ब्लू डॉट्सएआई' पहल एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकती है। मुजफ्फरनगर में प्रदेश के पहले संयुक्त सुविधा केंद्र (JFC) का उद्घाटन और गाजियाबाद के सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद इसका सभी १८ मंडलों में विस्तार करने का निर्णय यह दर्शाता है कि सरकार अब पारंपरिक रोजगार मेलों से आगे निकलकर आधुनिक तकनीक के जरिए जमीनी स्तर पर बदलाव लाने को तैयार है। अक्सर देखा गया है कि एक ही जिले या क्षेत्र में फैक्ट्रियों को कुशल श्रमिकों की जरूरत होती है और वहीं युवाओं को नौकरी की तलाश होती है, लेकिन सटीक सूचना और सीधे संपर्क का कोई माध्यम न होने के कारण दोनों एक–दूसरे से वंचित रह जाते हैं। 'ब्लू डॉट्सएआई' की लोकेशन आधारित मैपिंग और अपनी भाषा में वॉयस कॉल की सुविधा इसी गंभीर खाई को पाटने का काम करेगी। मोबाइल मैप पर आसपास की नौकरियों का दिखना

युवाओं को पलायन के दंश से बचाएगा और उन्हें अपने घर के पास ही आजीविका के साधन मुहैया कराएगा। इस पहल की सबसे बड़ी ताकत इसका श्केंद्रींत ष्टिकोणश है। संयुक्त सुविधा केंद्रों के माध्यम से जिला उद्योग केंद्र, श्रम विभाग, रोजगार कार्यालय, आईटीआई, पॉलिटेक्निक और एमएसएमई (MSME) विभाग को एक छत के नीचे लाना प्रशासनिक तालमेल की एक बेहतरीन मिसाल है। गाजियाबाद में महज कुछ महीनों के भीतर १६ हजार से अधिक अवसरों का सृजन और १५ हजार से ज्यादा युवाओं का पंजीकरण इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि इस व्यवस्था में परिणाम देने की असीम क्षमता है। तकनीक का ऐसा लोक–कल्याणकारी उपयोग ही वास्तव में 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के संकल्प को धरातल पर उतारेगा। अब चुनौती इस व्यवस्था को सभी १८ मंडलों में पूरी पारदर्शिता, गति और बिना किसी तकनीकी बाधा के लागू करने की है। यदि यह मॉडल पूरी क्षमता से काम कर गया, तो यह न केवल यूपी के औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देगा, बल्कि देश के अन्य राज्यों के लिए भी स्थानीय रोजगार प्रबंधन का एक रोल मॉडल बनेगा।

एबीवीएमयू द्वारा आयोजित जीएनएम प्रवेश परीक्षा यूपीजीईटी-२०२६ प्रदेश की १८,५०० सीटों पर होंगे दाखिले, जानिए कब से होगी काउंसलिंग

लखनऊ। अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय (एबीवीएमयू) की ओर से आयोजित जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) प्रवेश परीक्षा यूपीजीईटी–२०२६ का परिणाम शनिवार को घोषित कर दिया गया। आगरा के आयुष यादव ने १०० में ६५ अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं आगरा की सलोनी और गोंडा की ललिता मौर्या ने भी ६२–६२ अंक हासिल किए। मेरिट के आधार पर सलोनी दूसरे और ललिता तीसरे स्थान पर रहीं। प्रवेश परीक्षा में टॉप तीन अभ्यर्थियों में दो छात्राएं और एक छात्र शामिल हैं। बीते मंगलवार को प्रदेश के २० जिलों में स्थापित ७५ परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में ३१,७८४ अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया और उपस्थिति ६५.५४ प्रतिशत दर्ज की गई। राजधानी लखनऊ के १० केंद्रों पर ४,४१४ अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। एबीवीएमयू के कुलपति डॉ. अमित देवगन ने सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जीएनएम स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है। प्रशिक्षित नर्सें मरीजों की देखभाल, दवा वितरण, प्राथमिक उपचार, चिकित्सकों की सहायता, प्रसव सेवाएं और स्वास्थ्य निगरानी जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाती हैं। कोर्स पूरा करने के बाद सरकारी एवं निजी अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, नर्सिंग होम और मेडिकल संस्थानों में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होते हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि सरकारी और निजी नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया रविवार से शुरू की जाएगी। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर ऑनलाइन पंजीकरण कर अपनी पसंद के कॉलेजों का चयन करना होगा। इसके बाद मेरिट सूची के अनुसार सीटों का आवंटन किया जाएगा। डॉ. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष जीएनएम प्रवेश परीक्षा में महिलाओं

की भागीदारी सबसे अधिक रही। परीक्षा में शामिल कुल अभ्यर्थियों में ६२ प्रतिशत से अधिक छात्राएं थीं। यह नर्सिंग शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के प्रति महिलाओं की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। प्रदेशभर के सरकारी और निजी संस्थानों में जीएनएम की लगभग १८,५०० सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया काउंसलिंग के माध्यम से पूरी की जाएगी। अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता और गुरुजनों को देता हूं। पिता प्रवीण कुमार यादव एलआईसी एजेंट हैं, जबकि मां सीमा यादव गृहिणी हैं। परिवार और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें हमेशा बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने निर्धारित टाइमटेबल बनाकर नियमित रूप से ऑनलाइन पढ़ाई की। मेरा मानना है कि पढ़ाई की अवधि से ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी गुणवत्ता होती है। जितनी देर भी पढ़ें, पूरी एकाग्रता और मन लगाकर पढ़ें। तभी उसका वास्तविक लाभ मिलता है। नर्सिंग सिर्फ नौकरी नहीं बल्कि मरीजों की सेवा का माध्यम है... आयुष यादव, टॉपर, मैनपुरी। जीएनएम में प्रवेश के लिए लगातार मेहनत की। परिवार और शिक्षकों का सहयोग मिला। मेरे पिता डॉ. प्रेमचंद्र एक क्लीनिक चलाते हैं और मेरी मां अर्चना गृहिणी हैं। मेरा बड़ा भाई नोएडा में रहकर नौकरी करता है। परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करके मैं बहुत खुश हूं। हमने परीक्षा की तैयारी ऑनलाइन कक्षाएं अटेंड करके की थी। नर्सिंग के क्षेत्र में आगे बढ़कर मरीजों की देखभाल और सेवा करना चाहती हूं.. सलोनी, दूसरा स्थान, मैनपुरी। स्वास्थ्य सेवाओं में नर्सों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इसी सोच के साथ जीएनएम को चुना। परीक्षा के लिए पढ़ाई के साथ खुद को शांत रखना भी जरूरी था। परिणाम आने के बाद मेहनत सफल होने की खुशी है... ललिता मौर्या, तीसरा स्थान, गोंडा।

नदियां नहीं बजट साफ, लखनऊ में गुम हो रही गोमती : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नदियों के संरक्षण और साफ–सफाई को लेकर सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। अखिलेश यादव ने कहा कि, नदियों की हालत खराब है। सिर्फ कागजों पर नदियां साफ हो रही हैं। लखनऊ में गोमती गुम होती जा रही है। यमुना नदी भी बेहाल है। डबल इंजन सरकारें दावे तो बड़े–बड़े करती है, लेकिन गंगा, यमुना, गोमती, काली नदी समेत प्रदेश की तमाम दूसरी नदियों की दुर्दशा कर रखी है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि बजट साफ हो गया, लेकिन नदियां साफ नहीं हो पायी। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने नदियों की सफाई के लिए गोमती रिवर फ्रंट का मॉडल बनाया था। नाले का गंदा पानी नहीं आए, इसकी व्यवस्था की। लेकिन भाजपा

सरकार ने सब बर्बाद कर दिया। आज स्थिति ये है कि गंदे नाले नदी में जा रहे है। गोमती अपने अस्तित्व के लिए जूझ रही है। पानी है नहीं, नदी की धारा थम रही है। इसी तरह से प्रदेश की दूसरी नदियों का बुरा हाल है। सपा प्रमुख का आरोप है कि सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण समेत अन्य समस्यायें विकराल रूप धारण कर रही है। नदियों की सफाई के लिए बजट में भारी लूट का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने मां गंगा की सफाई का झूठा वादा किया। हजारों करोड़ रूपये का बजट खर्च हो गया, लेकिन गंगा नदी की स्थिति जस की तस है। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा सरकार बनने पर नदियों की सफाई का अभियान शुरू होगा। गोमती रिवर फ्रंट म डल पर प्रदेश की दूसरी नदियां साफ करके उन्हें प्रदूषण मुक्त किया जाएगा।

नीट छात्रों की मौत कांग्रेस का सरकार पर बड़ा हमला, 'आत्महत्या नहीं ये हत्या है'– अजय राय

लखनऊ। नीट के मुद्दे पर कांग्रेस आक्रामक रूप से सरकार पर हमलावर है। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय पर एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हाल में नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद १२ छात्रों ने अपनी जानें गंवाई हैं। कांग्रेस इसे 'सुसाइड नहीं बल्कि सरकार द्वारा उत्प्रेरित हत्या मानती है।' अजय राय ने कहा कि मानसिक तनाव के कारण रितिका मिश्रा, शिवानी यादव, अंशिका पांडेय समेत देश के १२ होनहार स्टूडेंट्स ने अपनी जान दे दी, इसलिए क्योंकि पेपर लीक होने से वे मानसिक रूप से टूट गए थे। अजय राय ने एक आंकड़ा साझा करते हुए कहा कि, देश के पांच बड़े प्रमुख मंत्रालयों के बजट के बराबर है। फिर भी देश का शिक्षातंत्र रिजेक्शन सिस्टम बना है,

देश की पांच प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अभिभावक ३.५ लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं। ये खर्च जो एक हजार छात्रों में सिर्फ १२ को नौकरी दे पाता है। उन्होंने कहा कि २०१८ से लेकर २०२६ तक नीट समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इसके बावजूद शिक्षामंत्री ने नैतिक जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा नहीं दिया। कांग्रेस लगातार उनके इस्तीफे की मांग उठा रही है। अजय राय ने कहा कि देश के छात्रों और अभिभावकों की इस पीड़ा को राहुल गांधी सड़क से संसद तक उठाएंगे। उन्होंने 'छात्रों की गूंज' अभियान और श्कोटा महारैलीश की शुरुआत कर दी है। इसके माध्यम से वे प्रयागराज, पटना और दिल्ली में छात्रों से सीधा संवाद कर देश में एक निष्पक्ष, पारदर्शी और अभिभावकों की जेब के अनुकूल नई शिक्षा प्रणाली की नींव रखेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा को दी ४७००० करोड़ की सौगात, बोले- यह लोकतंत्र और विकास का उत्सव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति के ६८वें जन्मदिन के मौके पर उनके गृहनगर पहाड़पुर में ओडिशा के मयूरभंज जिले के दौरे पर हैं। इस दौरे के दौरान, दोनों नेताओं ने पवित्र संताली जाहेरा और हो जाहेरा स्थलों पर पूजा–अर्चना की और स्थानीय आदिवासी समुदायों द्वारा की जाने वाली पारंपरिक प्रकृति–पूजा में हिस्सा लिया। यह दौरा आदिवासियों तक पहुँचने के एक बड़े अभियान का हिस्सा है। इसमें शिक्षा और कौशल विकास के जरिए आदिवासी आबादी को सशक्त बनाने की कोशिशों को उजागर करने के लिए एक स्थानीय कौशल विकास केंद्र और एक स्कूल का दौरा भी शामिल था। यह यात्रा राज्य सरकार के दो साल पूरे होने का भी प्रतीक है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायरंगपुर में ओडिशा सरकार के २ साल पूरे होने के जश्न के मौके पर आयोजित शविकास रा धारा, ओडिशा साराश कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद थे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा ओडिशा इन दिनों उत्सवों के आंनद में डूबा हुआ है। यहां का गण पर्व रज पिछले हफ्ते ही धूमधाम से मनाया गया है। महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथयात्रा की तैयारियां भी पुरजोर चल रही हैं। मयूरभंज की बारीपदा रथयात्रा को लेकर भी उत्साह का माहौल है। और इन सबके बीच ही लोकतंत्र का, विकास का उत्सव भी चल रहा है। मोदी ने कहा कि ओडिशा की भाजपा सरकार ने अपने २ साल भी पूर्ण किए हैं। इस मौके पर आप सबके बीच आना, मयूरभंज आने का ये सौभाग्य और इतनी बड़ी संख्या में आप सबकी उपस्थिति, ये अवसर मेरे लिए बहुत खास है। आपका अपनापन मुझे बार–बार यहां खींच लाता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने संथाली भाषा में भारत के संविधान को प्रस्तुत किया है। ओडिशा की संतानों को पद्म सम्मान देकर सम्मानित किया है। पिछले २ वर्षों में ओडिशा सरकार भी यहां की महान विभूतियों के सपनों को पूरा करने के लिए दिनरात पुरुषार्थ कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का ये अवसर इस लिए भी विशेष

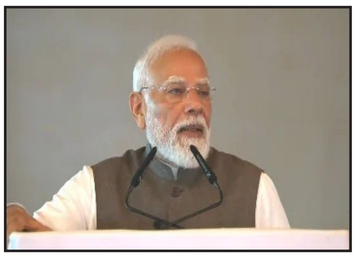

है, क्योंकि मयूरभंज की धरती पर पली–बढ़ी माननीय राष्ट्रपति जी हमारे बीच उपस्थित हैं। आज उनका जन्मदिन भी है। मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मैं उनके दीर्घायु होने और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के इतने बड़े पद पर पहुंची है, हमारा मार्गदर्शन कर रही हैं। ये हम सबके लिए बहुत गौरव की बात है। राष्ट्रपति जी का व्यक्तित्व, उनका उदार और सहृदय स्वभाव, राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए उनके अटूट समपर्ण से उन्होंने मयूरभंज ही नहीं, बल्कि पूरे ओडिशा की पहचान सशक्त की है। मोदी ने कहा कि आज एक शुभ मंगल हो गया कि आज राष्ट्रपति जी के जन्मदिन है और मुझे आज उनके गांव में जाकर उनको शुभकामनाएं देने का अवसर मिला। आज मैं राष्ट्रपति जी के साथ पहाड़पुर भी गया था। मैं इस क्षेत्र के बच्चों के लिए उनके द्वारा बनाए गए स्कूल भी गया। बच्चों के साथ कुछ यादगार समय बिताने का मुझे अवसर भी मिला। मैं बच्चों के चेहरों की चमक, राष्ट्रपति जी की उपस्थिति और आत्मीयता देख रहा था। वहां मुझे ऐसा कुछ भी नहीं लगा कि किसी बच्चे को कग हो कि राष्ट्रपति जी आई हैं, हर बच्चे को लगा कि उनकी मां आई है। उन्होंने कहा कि कैसे इस क्षेत्र के गरीब, वंचित और आदिवासी समाज के बच्चों को प्रेरणा मिल रही है और उन्हें देश के लिए कुछ बड़ा करने का आत्मविश्वास भी मिल रहा है। मैं राष्ट्रपति जी का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इन अनुभवों से गुजरने का अवसर दिया। आज का ये दिन एक प्रकार से मेरे लिए शिक्षा का दिवस था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां ओडिशा के विकास से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है। इन परियोजनाओं पर लगभग ४७ हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, रेलवे और शिक्षा से जुड़ी इन परियोजनाओं से आप सभी लोगों को बहुत सुविधाएं मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ओडिशा के संसाधनों को ओडिशा की संभावनाओं में बदल रही है। ओडिशा में बड़ा निवेश आए, यहां नए उद्योग लगें, इसके लिए उत्कर्ष ओडिशा जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके तहत अब तक करीब २० लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। साढ़े ३ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की अनेक मेगा परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों के चेहरे की खुशी ही इस परियोजना की सबसे बड़ी सफलता है : विधायक धीरेन्द्र सिंह

नोएडा। जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आज जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बेंगलुरु एवं मुंबई से आने वाले यात्रियों से मुलाकात कर उनके यात्रा अनुभवों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विभिन्न शहरों से आए यात्रियों ने एयरपोर्ट की आधुनिक सुविधाओं, स्वच्छता, परिवहन व्यवस्था एवं विश्वस्तरीय वातावरण की मुक्त कंठ से सराहना की। नोएडा निवासी रोहित भट्ट, ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एक यात्री तथा दनकौर निवासी त्यागी जी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जैसे ही वे एयरपोर्ट पर उतरे, उन्हें किसी अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट पर होने का वास्तविक अनुभव हुआ। यात्रियों ने बताया कि टर्मिनल की भव्यता, सुव्यवस्थित संचालन, साफ– सफाई और कर्मचारियों का व्यवहार अत्यंत संतोषजनक रहा। यात्रियों ने यह भी बताया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था भी सुचारु रूप से उपलब्ध है। साझा टैक्सी सेवा के माध्यम से नोएडा तक लगभग ६३५० प्रति यात्री में यात्रा की जा सकती है, जबकि पूरी ईवी टैक्सी का किराया लगभग १४०० है। इसके अतिरिक्त बस सेवाएँ भी

उपलब्ध हैं, जिससे यात्रियों को किफायती एवं सुविधाजनक आवागमन का विकल्प मिल रहा है। इस अवसर पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि "आज यात्रियों के चेहरों पर दिखाई देने वाली संतुष्टि और खुशी यह प्रमाणित करती है कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट केवल एक आधारभूत संरचना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के नए विकास मॉडल का प्रतीक बन चुका है। विश्वस्तरीय सुविधाएँ, स्वच्छ एवं आधुनिक वातावरण तथा बेहतर परिवहन व्यवस्था इस एयरपोर्ट को देश के श्रेष्ठ हवाई अड्डों की श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में अग्रसर हैं।" जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व में साकार हुई यह परियोजना पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था, पर्यटन, उद्योग, निवेश और रोजगार के नए द्वार खोल रही है। आने वाले समय में यह एयरपोर्ट न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश की प्रगति का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।'' जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'वे लगातार यात्रियों से संवाद कर उनकी प्रतिक्रियाएँ और सुझाव प्राप्त कर रहे हैं, ताकि संबंधित एजेंसियों के समन्वय से आवश्यक सुधार भी समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किए जा सकें और यात्रियों को सर्वोत्तम सुविधाएं उपलब्ध होती रहें।'

लखनऊ विश्वविद्यालय को मिली है बड़ी सौगात

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को बड़ी सौगात मिली है। **BCI** ने दी ५ वर्षीय **BBA-LLB** इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू करने की मंजूरी इस नए पाठ्यक्रम के शुरू होने से विद्यार्थियों को कानून की शिक्षा के साथ–साथ प्रबंधन (**Management**) से जुड़े विषयों का भी अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। यह कोर्स युवाओं को कॉर्पोरेटॉल , लीगल मैनेजमेंट और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में बेहतर करियर विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, **BCI** की मंजूरी मिलने के बाद पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया, सीटों की संख्या और अन्य शैक्षणिक विवरण जल्द जारी किए जाएंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरुआत से विधि शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर खुलने की उम्मीद जताई जा रही है।

७ फेरे लेने के बाद पेड़ से फंदा लगाकर प्रेमी युगल ने दी जान, परिजनों में कोहराम

सीतापुर। उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले के नैमिषारण्य क्षेत्र से शनिवार सुबह एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहां के रहने वाले एक प्रेमी युगल ने आम के पेड़ से फंदा लगाकर सुसाइड कर ली। अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह रामपुर खेवट गांव के लोग जब अपने खेतों की तरफ जा रहे थे, तभी आम के बाग में आम के पेड़ पर रजनी (१७) एवं वंश (२१) के शव लटके मिले। दोनों कल शाम से गांव से लापता थे, उनकी खोजबीन घर के लोग कर रहे थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आशंका व्यक्त की जा रही है कि प्रेमी युगल ने प्रेम संबंधों में बाधा के कारण आत्महत्या की है। रजनी का विवाह तय हो चुका था और कुछ दिनों पहले तिलक की रस्म पूरी हुयी थी। मौके पर सिंदूर, श्रृंगार का सामान आम के पेड़ के नीचे से बरामद हुआ है। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने दोनों के शव गांव के बाहर एक पेड़ पर एक ही दुपट्टे के दो अलग–अलग फंदों से लटके देखे। मौके का नजारा हैरान करने वाला था। पेड़ के नीचे सिंदूर, बिंदी और सुहाग का अन्य श्रृंगार सामान बिखरा हुआ था। पेड़ के चारों तरफ फेरों के स्पष्ट निशान थे और मृतका रजनी की मांग में ताजा सिंदूर भरा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि आत्महत्या करने से ठीक पहले दोनों ने उसी पेड़ को साक्षी मानकर सात फेरे लिए, शादी रचाई और फिर हमेशा–हमेशा के लिए एक–दूसरे के हो गए।

राष्ट्रपति के जन्मदिन पर पीएम मोदी समेत तमाम दिग्गजों ने दी बधाई

नई दिल्ली । भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को ६८ वर्ष की हो गईं। इस खास अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित देश के तमाम दिग्गज राजनेताओं ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी और देश के प्रति उनके समर्पण व संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी निष्ठा को सराहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जन्मदिन पर शनिवार को उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा कि साहस, सादगी, विनम्रता तथा जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से भरी उनकी जीवन यात्रा देशभर के लोगों को प्रेरित करती है। भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति मुर्मू शनिवार को ६८ वर्ष की हो गईं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। साहस, सादगी, विनम्रता और जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से भरी उनकी जीवन यात्रा देशभर के लोगों को प्रेरित करती है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि मुर्मू ने सार्वजनिक जीवन में अपने कई वर्षों के दौरान राष्ट्र की उत्कृष्ट तरीके से सेवा की है और वह वंचित एवं हाशिये पर रह रहे लोगों के कल्याण के लिए विशेष रूप से समर्पित रही हैं। मोदी ने कहा कि भारत के विकास के प्रति मुर्मू का दृढ़ समर्पण बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा, श्मैं कामना करता हूं कि राष्ट्र की सेवा के लिए उन्हें लंबा और स्वस्थ जीवन मिले। मैं आज ओडिशा में आयोजित कार्यक्रम में उनसे मिलने को लेकर उत्साहित हूं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति मुर्मू को जन्मदिन की बधाई दी

नयी दिल्ली, २० जून (भाषा) उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनके ६८वें जन्मदिन पर हार्दिक बधाई दी। राधोंष्णन ने कहा कि समावेशी विकास के प्रति राष्ट्रपति की प्रतिबद्धता पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू ने हमेशा समाज के वंचित वर्गों के हितों की पुरजोर वकालत की है और अपना जीवन पूरी तरह देश सेवा में समर्पित कर दिया है। भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को ६८ वर्ष की हो गईं। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'सबको साथ लेकर चलने और सामाजिक कल्याण के प्रति उनकी निष्ठा देश भर के नागरिकों को प्रेरित करती है।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू का जीवन सादगी, विनम्रता और जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति का जीवन और सार्वजनिक सफर देश में अनगिनत लोगों के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा, 'मैं उनके लंबे, स्वस्थ और मंगलमय जीवन की प्रार्थना करता हूं, ताकि वे इसी तरह राष्ट्र निर्माण और देश सेवा में अपना अमूल्य योगदान देती रहें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन पर बधाई दी। योगी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मा. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपका सादगीपूर्ण जीवन, जनजातीय समाज के उत्थान के प्रति अगाध समर्पण तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट निष्ठा देश वासियों के लिए उत्कृष्ट प्रेरणा है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ जी से आपके सुदीर्घ व सुयशपूर्ण जीवन और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना है। भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को ६८ साल की हो गईं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रपति को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी, आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

मैं भगवान जगन्नाथ से आपके उत्कृष्ट स्वास्थ्य और लंबे जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।ष् उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी मुर्मू को जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ष्भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। एक सरल और विनम्र स्वभाव की महिला और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक। मैं ईश्वर से आपके उत्कृष्ट स्वास्थ्य और लंबे जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं। कांग्रेस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जन्मदिन पर शनिवार को उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा कि संवैधानिक मूल्यों, जनसेवा तथा प्रत्येक नागरिक के कल्याण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता देश को प्रेरित करने वाली है। राष्ट्रपति मुर्मू शनिवार को ६८ वर्ष की हो गईं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स८ पर पोस्ट किया, ''कांग्रेस की ओर से हम माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि संवैधानिक मूल्यों, जनसेवा और प्रत्येक नागरिक के कल्याण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता देश को निरंतर प्रेरित करती है। खरगे ने कहा, ''हम कामना करते हैं कि उनका मार्गदर्शन और समर्पण भारत के लोकतांत्रिक आदर्शों तथा समावेशी विकास को और सुदृढ़ बनाने में योगदान देता रहे।'' उन्होंने कहा, ''हम उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखद जीवन और राष्ट्रसेवा के अनेक वर्षों की कामना करते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। विजय ने सोशल मीडिया पर अपने बधाई संदेश में लिखा, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। इस खास मौके पर, मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य और देश की सेवा में आपकी निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने भी राष्ट्रपति मुर्मू को बधाई दी है। स्टालिन ने सोशल मीडिया पर लिखा, ष्राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। एक साधारण शुरुआत से भारत की राष्ट्रपति बनने तक का आपका सफर देश भर के लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है। आपका सार्वजनिक जीवन विनम्रता, दृढ़ता और शांत शक्ति से भरा रहा है। आपके अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और लंबी उम्र की कामना करता हूँ। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं तथा उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। आर्लेकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य, खुशियों और लंबे जीवन की प्रार्थना करता हूं, ताकि वह अपनी बुद्धिमत्ता, गरिमा और राष्ट्र सेवा के प्रति अनुकरणीय समर्पण के साथ देश का नेतृत्व करती रहें।' भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति मुर्मू शनिवार को ६८ वर्ष की हो गईं। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि राष्ट्रपति का जीवन और उनकी जनसेवा देशभर में लाखों लोगों को लगातार प्रेरित करती है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' नायडू ने मुर्मू के अच्छे स्वास्थ्य और राष्ट्र सेवा में निरंतर सफलता की कामना की। वहीं, शर्मा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी जीवन यात्रा ढ़ता, लोकतंत्र और समावेशिता की शक्ति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुर्मू की सामाजिक न्याय और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता देश के लिए प्रेरणा है। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं।' उन्होंने कहा, 'गरिमा, बुद्धिमत्ता और सम्मान की प्रतीक मुर्मू का राष्ट्र निर्माण के प्रयासों के लिए सभी दल सम्मान करते हैं। हमारी सर्वोच्च कमांडर की जीवनयात्रा ढ़ता, लोकतंत्र और समावेशिता की शक्ति का एक गहरा प्रमाण है।' मुख्यमंत्री ने कहा, ''सामाजिक न्याय और जनसेवा के प्रति मुर्मू की अटूट प्रतिबद्धता हमारे महान गणराज्य को प्रेरित करती है। उनका मार्गदर्शन देश को प्रगति और समृद्धि की नयी ऊंचाई की ओर ले जाता रहे। मैं मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव से उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

राम मंदिर दान जांच में बड़ा खुलासा, 'मौखिक आदेश' पर होते थे सारे फैसले

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान के पैसे के गलत इस्तेमाल के आरोपों की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने अपनी जांच का दायरा कैश गिनने की प्रक्रिया से आगे बढ़ा दिया है और अब वह मंदिर के पुजारियों और मंदिर प्रशासन के सदस्यों से पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने शुक्रवार को चल रही जांच के सिलसिले में अनिल मिश्रा से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की। जांचकर्ताओं को दान और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को संभालने से जुड़े स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के पालन में कमियां मिली हैं। एसआईटी ने यह भी पाया है कि मंदिर परिसर में काम करने वाले कई लोगों को आधिकारिक आदेशों के जरिए स्पष्ट जिम्मेदारियां नहीं सौंपी गई थीं। इसके बजाय, कई कामकाज से जुड़े फैसले जुबानी निर्देशों के आधार पर लिए जा रहे थे, जिससे जवाबदेही और निगरानी

को लेकर चिंताएं पैदा हो रही हैं। जांच में दान के फंड के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में गर्भगृह के प्रभारी **KD** तिवारी की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है। यह विवाद ७ जून को तब सामने आया जब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि राम मंदिर में दान के तौर पर मिले करोड़ों रुपये गायब हो गए हैं। उन्होंने न्यायपालिका से इस मामले का संज्ञान लेने और गहन जांच की मांग की। इन आरोपों के बाद सत्ताधारी **BJP** और विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। अखिलेश यादव ने दावा किया है कि इस विवाद का अयोध्या में धार्मिक पर्यटन पर निर्भर स्थानीय व्यवसायों पर बुरा असर पड़ा है और उन्होंने`एसआईटी की जांच के बारे में रोजाना अपडेट देने की मांग की है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का बचाव किया और विपक्षी पार्टियों पर अयोध्या और मंदिर की छवि खराब करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि ये पार्टियां कभी नहीं चाहती थीं कि अयोध्या को अहमियत मिले, क्योंकि उनमें खुद ऐसा बदलाव लाने की सोच और काबिलियत नहीं थी। अयोध्या में अलग–अलग कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'अयोध्या, राम मंदिर और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। लोगों को ऐसी साजिशों का शिकार नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर ही एसआईटी जांच के आदेश दिए गए थे और भरोसा दिलाया कि जांच से पूरी सच्चाई सामने आएगी। आदित्यनाथ ने कहा कि ट्रस्ट के अनुरोध पर हमने एसआईटी जांच के आदेश दिए हैं। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि यह जांच पूरी सच्चाई सामने लाएगी। इसमें कोई शक नहीं है।

लखनऊ के केडी सिंह स्टेडियम में भव्य योग शिविर का आयोजन, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सहित कई दिग्गज हुए शामिल

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में लखनऊ के ऐतिहासिक केडी सिंह बाबू स्टेडियम में ममता चौरिटेबल ट्रस्ट

द्वारा एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में राजनीति और प्रशासन जगत की कई बड़ी हस्तियों के साथ–साथ भारी संख्या में स्थानीय निवासियों और स्कूली बच्चों ने हिस्सा लेकर योग को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस योग शिविर में मुख्य आकर्षण के रूप में उत्तर प्रदेश के वर्तमान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने उपस्थित जनसमूह के साथ विभिन्न योगासन किए और लोगों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित किया। ममता चौरिटेबल ट्रस्ट के इस आयोजन में समाज के हर वर्ग की भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल होने वाले विशिष्ट अतिथि के रूप में यूपी डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, एमएलसी इंजीनियर अवनीश समेत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा इस योगाभ्यास में शामिल हुए। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित इस शिविर में लखनऊ के स्थानीय नागरिकों के साथ–साथ विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों और युवाओं ने ट्रेनर्स के निर्देशों का पालन करते हुए प्राणायाम और अन्य महत्वपूर्ण आसन सीखे। ममता चौरिटेबल ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता फैलाना और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

तीन लोगों ने फांसी लगाकर दी जान, मचा कोहराम

लखनऊ। अलग–अलग थाना क्षेत्रों में तीन लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने तीनों मामलों में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एक मामले में घटना संदिग्ध है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। पहली घटना कोठी थाना क्षेत्र के ग्राम असदामऊ की है। यहां २५ वर्षीय सोनू उर्फ सुनील कुमार यादव पुत्र अमर सिंह यादव का शव शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे घर से लगभग ३०० मीटर दूर दक्षिण दिशा में स्थित खेत में आम के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका मिला। ग्रामीणों ने शव देखकर परिजनों को सूचना दी। बताया गया कि सोनू चार भाइयों में मंझला और अविवाहित था। वह अक्सर खेत में ही चारपाई डालकर सोता था। शव के पास दो कीपैड मोबाइल फोन मिले हैं, जिनमें ४२ मिस्ड क ल तथा एक व्यक्ति के १० क ल दर्ज हैं। दोनों मोबाइल पुलिस ने कब्जे में ले लिए हैं। मृतक के पिता लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती हैं। दूसरी घटना जैदपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला लोधपुरा की है। यहां १७ वर्षीय प्रियंका रावत पुत्री मोहन लाल ने घर में पंखे से धोती के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों के अनुसार शनिवार सुबह परिवार के सदस्य मेंथा कटाई के लिए खेत गए थे। प्रियंका खेत जाने की जिद कर रही थी, लेकिन उसकी मां विजेता ने उसे घर पर रहकर खाना बनाने और बाद में खेत पहुंचाने को कहा। कुछ देर बाद वह घर में अकेली रह गई। शाम करीब साढ़े छह बजे छोटे भाई हर्षित ने खेत पहुंचकर घटना की जानकारी परिजनों को दी। तीसरी घटना जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के पलिया मसूदपुर गांव की है। यहां ३६ वर्षीय छोटू उर्फ जागेश यादव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। चचेरे भाई अशोक यादव के अनुसार जागेश बेरोजगारी से परेशान था। बताया गया कि शुक्रवार रात करीब ११ बजे उसने टिनशेड के नीचे लगे पाइप से गमछे के सहारे फांसी लगा ली। घटना के समय उसकी पत्नी और दोनों बच्चे घर के अंदर सो रहे थे।

युवक की संदिग्ध मौत, पत्नी साले पर हत्या का आरोप

बाराबंकी। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के लहबड़ पुरवा गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने

उसकी पत्नी और साले पर मारपीट करने तथा जहरीला पदार्थ खिलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, लहबड़ पुरवा निवासी अजय यादव ३० का अपनी पत्नी प्रीति यादव से लंबे समय से विवाद चल रहा था। परिजनों का कहना है कि दोनों के बीच अक्सर कहासुनी होती रहती थी। करीब १५ दिन पूर्व विवाद के बाद प्रीति अपने मायके गड़रियनपुरवा चली गई। मृतक के रिश्तेदार शिवम यादव ने बताया कि अजय अपनी पत्नी को वापस लाने ससुराल गया था। आरोप है कि वहां उसके साथ मारपीट की गई और उसे कोई जहरीला पदार्थ दे दिया गया, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। उपचार के दौरान शुक्रवार रात उसकी मौत हो गई। आरोप है कि विवाह के बाद से ही अजय को प्रताड़ित किया जाता था। उसकी दो बीघा जमीन पर सबकी नजर टिकी थी। हालांकि पुलिस ने इन आरोपों की पुष्टि नहीं की है। कैटरिंग का काम करने वाला अजय परिवार का सहारा था। परिवार में ढाई वर्षीय बेटी अनाया है, जबकि उसकी पत्नी गर्भवती बताई जा रही। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। थानाध्यक्ष जहांगीराबाद राम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि युवक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सपा का 'पीडीए पेड़' अभियान, १ से ७ जुलाई तक गांव-गांव होगा पौधारोपण

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर पार्टी पूरे उत्तर प्रदेश में एक से सात जुलाई तक विशेष 'पीडीए पेड़' अभियान चलाएगी। इस दौरान विधानसभा और बूथ स्तर तक गांव–गांव पौधारोपण किया जाएगा। पार्टी ने इसे पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय से जोड़ते हुए व्यापक जनसंपर्क अभियान का रूप देने का फैसला किया है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने लखनऊ समेत सभी जिलों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को परिपत्र जारी कर अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि समतामूलक समाज और मानवीय मूल्यों की स्थापना के लिए सामाजिक न्याय आधारित व्यवस्था जरूरी है। पार्टी कार्यकर्ता पौधारोपण के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। सपा ने 'प्रेम, दया और अपनापन' की भावना के साथ पीड़ित, दुखी और अपमानित परिवारों को पार्टी से जोड़ने का भी निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत ऐसे परिवारों से संपर्क कर उन्हें समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। पार्टी इसे सामाजिक न्याय के विस्तार के रूप में देख रही है। अखिलेश यादव ने २०२४ के लोकसभा चुनाव से पहले 'पीडीए' यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का नारा दिया था। इसी रणनीति के तहत

समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश की ८० लोकसभा सीटों में से ३७ सीटों पर जीत मिली थी। इसके बाद से पार्टी लगातार पीडीए फॉर्मूले को मजबूत करने पर जोर दे रही है। श्याम लाल पाल ने कहा कि अभियान के दौरान संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण की रक्षा का संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की भावना को मजबूत करना ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों का सम्मान है। पार्टी कार्यकर्ता पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक न्याय का संदेश भी जन–जन तक पहुंचाएंगे।

खाद की कालाबाजारी पकड़ी, 85 बोरी खाद बरामद

बाराबंकी। रवाई करते हुए ८५ बोरी यूरिया से लदी एक पिकअप पकड़ी गई। मामले में एक खाद विक्रेता, पिकअप चालक तथा कथित रूप से परिवहन कराने

वाले व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिला कृषि अधिकारी राजितराम के अनुसार शुक्रवार रात सफेदाबाद ओवरब्रिज पर पिकअप वाहन को रोका गया। वाहन में ८५ बोरी यूरिया लदी थी, लेकिन चालक कोई वैध बिल या चालान प्रस्तुत नहीं कर सका। चालक मनीष कुमार निवासी कोठी ने पूछताछ में बताया कि उसे एक व्यक्ति ने फोन कर जरगावां से खाद लादकर लखनऊ स्थित इंदिरा नहर पुल तक पहुंचाने के लिए कहा था। इसके बाद कृषि विभाग और पुलिस की टीम ने रात में ही सिद्धौर ब्ल क के जरगावां स्थित मेसर्स मां दुर्गा किसान सेवा केन्द्र पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान दुकान के भौतिक स्टॉक और पीओएस मशीन के रिकॉर्ड में अंतर पाया गया तथा १४ बोरी यूरिया अतिरिक्त मिली। विक्रेता बिक्री एवं स्टॉक रजिस्टर भी प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच में विक्रेता द्वारा जिन किसानों को यूरिया बिक्री किए जाने का दावा किया गया था, उनमें से अधिकांश के नाम आईएफएमएस पोर्टल पर दर्ज नहीं मिले। पोर्टल रिकॉर्ड और विक्रेता के बयान में भी काफी विसंगतियां पाई गईं। जिलाधिकारी की अनुमति से खाद विक्रेता दुर्गेश कुमार, अंकुर वर्मा तथा पिकअप चालक मनीष कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

लखनऊ क्राइम ब्रांच का बड़ा खुलासारू फर्जी GST फर्मों के जरिए २.५ करोड़ के लेन-देन का पर्दाफाश, गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की क्राइम ब्रांच, साइबर सेल और थाना इटौंजा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फर्जी GST

फर्मों के जरिए कर चोरी करने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से डेबिट कार्ड, चेकबुक, मोबाइल फोन समेत कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को पैसों का लालच देकर उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाते और मोबाइल नंबर हासिल करते थे। इसके बाद फर्जी किरायानामा और बिजली बिल तैयार कर उनके नाम पर GST फर्मों का पंजीकरण कराया जाता था। इन फर्जी फर्मों के माध्यम से कागजों पर कारोबार दिखाकर फर्जी इनव यस बनाए जाते थे और अवैध तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का लाभ लेकर GST चोरी की जाती थी। जांच में सामने आया कि गिरोह द्वारा कई फर्जी फर्मों का संचालन किया जा रहा था, जिनमें अल्तमस ट्रेडर्स, कुमार ट्रेडर्स, सुप्रीम एंटरप्राइजेज, सनलाइट इंटरप्राइजेज और बुद्धा एंटरप्राइजेज शामिल हैं। इनमें से कई फर्में केवल कागजों पर अस्तित्व में थीं क्राइम ब्रांच की तकनीकी जांच में संदिग्ध मोबाइल नंबरों से जुड़े १० IMEI नंबरों का विश्लेषण किया गया, जिससे २२५ नए मोबाइल नंबरों की जानकारी मिली। इनमें से १०७ नंबरों पर विभिन्न कंपनियों के पंजीकरण पाए गए। जांच आगे बढ़ने पर सीतापुर निवासी बुद्धिप्रकाश अवस्थी (३५ वर्ष) का नाम सामने आया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में पता चला कि अल्तमस ट्रेडर्स के नाम से संचालित पंजाब नेशनल बैंक खाते में करीब २ करोड़ २५ लाख ६६ हजार ५२२ रुपये का लेन-देन हुआ। वहीं संबंधित फर्जी फर्मों और खातों में कुल करीब २.५ करोड़ रुपये के वित्तीय लेन-देन का खुलासा हुआ है। पुलिस द्वारा संबंधित बैंक खातों को फ्रीज कराने की कार्रवाई की जा रही है। बुद्धिप्रकाश अवस्थी पुत्र स्व. दीपक अवस्थी, निवासी ग्राम कलीमपुर, थाना रेउसा, जनपद सीतापुर (हाल पता फैजुल्लागंज, लखनऊ)। बरामदगीः- ७ डेबिट कार्ड, ६ मोबाइल फोन, १ चेकबुक, अन्य दस्तावेज। पुलिस ने बताया कि मामले में अन्य आरोपियों, फर्जी फर्मों और वित्तीय लेन-देन की जांच जारी है। अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के बहकावे में आकर अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाते या अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज साझा न करें, क्योंकि इनका इस्तेमाल फर्जी कंपनियां बनाने और आर्थिक अपराधों में किया जा सकता है।

महिलाओं का आरोप ब्लॉक मिशन प्रबंधन इकाई कर्मी के व्यवहार और कार्यशैली से आक्रोश सौंपा ज्ञापन

निघासन खीरी।राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने ब्ल क मिशन प्रबंधन इकाई के एक कर्मी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए क्षेत्रीय विधायक को ज्ञापन सौंपकर गंभीर शिकायत दर्ज कराई है। महिलाओं ने संबंधित कर्मी पर अभद्र व्यवहार, मानसिक उत्पीड़न तथा सरकारी योजनाओं के संचालन में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।ज्ञापन में महिलाओं का कहना है कि वे सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं से जुड़कर स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य कर रही हैं, लेकिन संबंधित कर्मी के कथित व्यवहार के कारण उन्हें लगातार अपमान और प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि बैठकों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में महिलाओं के साथ असम्मानजनक भाषा का प्रयोग किया जाता है, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और मनोबल प्रभावित हो रहा है।महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता का अभाव है तथा कई निर्णय मनमाने ढंग से लिए जा रहे हैं। ज्ञापन में संबंधित कर्मी की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय जांच कराए जाने और आरोप सिद्ध होने पर उन्हें निघासन ब्ल क से हटाने की मांग की गई है।महिला समूहों का कहना है कि यदि उनकी शिकायतों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो वे आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने को बाध्य होंगी। ज्ञापन सौंपे जाने के बाद क्षेत्र में इस मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है।हालांकि समाचार लिखे जाने तक संबंधित कर्मचारी अथवा विभागीय अधिकारियों का पक्ष सामने नहीं आ सका था। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की जांच कराए जाने की संभावना है।

लखनऊ में स्पा सेंटर की आड़ में अवैध गतिविधियों का आरोप, वायरल वीडियो के बाद मचा हड़कंपय पुलिस जांच पर नजर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड इलाके में एक स्पा सेंटर को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का आरोप है कि स्वीट एंड साल्ट नामक स्पा सेंटर में मसाज सेवा की आड़ में अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह गतिविधियां काफी समय से चल रही थीं और इसकी जानकारी आसपास के लोगों को भी थी। आरोप है कि स्पा सेंटर की आड़ में ग्राहकों से संपर्क कर अनैतिक कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा था। हालांकि, इन आरोपों की अभी आधिकारिक

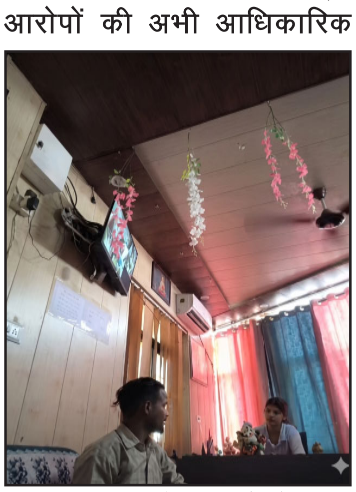

पुष्टि नहीं हुई है। मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसके बाद क्षेत्र में चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, स्थानीय पुलिस ने इस मामले की जानकारी से अनभिज्ञता जताई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत या जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल स्पा सेंटर पर लगे आरोपों की सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई पर सभी की नजर बनी हुई है।

नशामुक्त भारत अभियान - विकसित भारत की पहचान के अंतर्गत राज्य स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ। नशामुक्त भारत अभियान-विकसित भारत की पहचान' थीम के तहत देश भर में १७ जून २०२६ से २६ जून २०२६ तक 'नशामुक्त भारत सप्ताह' मनाया जा रहा है। इसी क्रम में मद्यनिषेध विभाग उ०प्र० द्वारा आज, दिनांक १६ जून २०२६ को कार्यालय क्षेत्रीय मद्यनिषेध , २७ अशोक मार्ग लखनउ में मादक पदार्थों के दुष्परिणामों पर आधारित एक राज्य स्तरीय पोस्टर, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों, एन०सी०सी० और सामाजिक संगठनों के छात्र-छात्रायें सहित कुल ७० प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया। उक्त प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा नशामुक्त भारत सप्ताह के समापन अवसर यानी २६ जून २०२६ को 'मादक

पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर की जाएगी। इस अवसर पर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्तिपत्र माननीय मंत्री आबकारी एवं मद्यनिषेध विभाग ,श्री नितिन अग्रवाल के कर कमलों द्वारा चौधरी चरण सिंह समाभागर, सहकारिता भवन, लखनऊ मे प्रदान किये जायेंगें।

बाराबंकी में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, तीन महिला समेत ४ को पुलिस ने दबोचा

बाराबंकी। शुक्रवार देर रात शहर में की गई छापेमारी के दौरान चलते मिले सेक्स रैकेट को लेकर चार गिरफ्तारी हुई हैं। इनमें तीन महिलाएं हैं। खास बात यह कि यहां पर देह व्यापार के साथ ही नशीले पदार्थों का कारोबार भी

जारी था। बताते चलें कि क्षेत्राधिकारी नगर संगम कुमार और क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंत के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में पुलिस ने शुक्रवार रात कोतवाली नगर क्षेत्र के सिद्धार्थनगर स्थित एक मकान पर छापा मारा। जांच में सामने आया कि यहां संगठित रूप से देह व्यापार संचालित किया जा रहा था। ग्राहकों से संपर्क करने के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस के अनुसार, देह व्यापार के साथ-साथ ग्राहकों को अतिरिक्त धन लेकर गांजा, कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य उत्पाद भी उपलब्ध कराए जाते थे। इस संबंध में कोतवाली नगर में एनडीपीएस एक्ट तथा स्त्रियों एवं कन्याओं के अनैतिक व्यापार दमन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में मोहल्ला सिद्धार्थनगर निवासी उमा देवी, गुड्डन देवी, शिल्पी मौर्या और दिनेश मौर्या शामिल हैं। इस दौरान पुलिस ने ७ मोबाइल फोन, ५६ शीशी कोडीन युक्त सिरप, २४५ ग्राम गांजा, ५८ पैकेट न्यूट्रिशन सप्लीमेंट, २८५ कंडोम तथा १६०० रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

ललितपुर में सीएम योगी ने २२१ परियोजनाओं का किया शिलान्यास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि वीरता, वैभव और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की धरा ललितपुर आज विकास के एक नए अध्याय की साक्षी बनेगी। अपने ललितपुर दौरे से पूर्व योगी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'ललितपुर में आज १,७६६ करोड़ रुपये की लागत से राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित कुल २२१ विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जाएगा। इन परियोजनाओं से बुंदेलखंड के स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत संरचना और जनकल्याण को नई गति मिलेगी।' मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार का यह प्रयास ललितपुर सहित समूचे बुंदेलखंड के समृद्ध और आत्मनिर्भर भविष्य की मजबूत आधारशिला सिद्ध होगा। राजकीय मेडिकल कॉलेज बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर इलाज के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इन २२१ परियोजनाओं में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े कार्य शामिल हैं, जो सीधे आमजन के जीवन स्तर को ऊपर उठाएंगे। बुंदेलखंड को विकास परियोजनाओं की सौगात देने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मध्य प्रदेश के दतिया में मां बगुलामुखी का दर्शन—पूजन भी किया। दतिया हवाई पट्टी पर मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने योगी का स्वागत किया। मुख्यमंत्री यहां से पीतांबरा पीठ पहुंचे। पीतांबरा पीठ में मुख्यमंत्री ने मां बगुलामुखी के दर्शन किए और विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने परिसर में स्थित वनखण्डेश्वर महादेव मंदिर में मंत्रोच्चार के बीच जलाभिषेक भी किया। इसके बाद मुख्यमंत्री लोकार्पण/शिलान्यास कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए ललितपुर रवाना हो गए। ललितपुर पहुंचने

पर मुख्यमंत्री ने तुवन मंदिर में दर्शन—पूजन किया। इस दौरान मंदिर के पुजारी व महंत आदि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा की सराहना करते हुए शनिवार को कहा कि स्वदेशी तकनीक से विकसित ब्रह्मोस मिसाइलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को ''मुंहतोड़ जवाब'' दिया। आदित्यनाथ ने ललितपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि उत्तर प्रदेश में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों ने श्पाकिस्तान को मदद की गुहार लगाने और खुद को बचाने की भीख मांगने पर मजबूर कर दिया।'' हाल में हुए अमेरिका—ईरान संघर्ष का उल्लेख करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि इस संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई, लेकिन मोदी सरकार के प्रयासों से भारत में ऊर्जा संकट पैदा नहीं हुआ। आदित्यनाथ ने कहा, ''अमेरिका—ईरान संघर्ष के दौरान दुनिया भर में ईंधन आपूर्ति बाधित हुई। मोदी जी के नेतृत्व में ऐसे कदम उठाए गए, जिनसे देश को ऊर्जा संकट का सामना नहीं करना पड़ा। लोगों को राहत मिली और महंगाई भी नियंत्रण में रही।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''ब्रह्मोस मिसाइलें उत्तर प्रदेश में बनाई जा रही हैं। जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इनका इस्तेमाल किया गया तो पाकिस्तान को ऐसा करारा झटका लगा कि वह मदद की गुहार लगाने और खुद को बचाने की भीख मांगने पर मजबूर हो गया। यह नए भारत की ताकत है और इसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व से शक्ति मिलती है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश, विशेष रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

माता वैष्णो देवी के दरबार पहुंचे अक्षय कुमार, पवित्र गुफा में टेका माथा, उमड़ी फैंस की भारी भीड़

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने बृहस्पतिवार को जम्मू—कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित प्रतिष्ठित श्री माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर में पूजा—अर्चना की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कुमार इस तीर्थयात्रा के आधार शिविर कटरा पहुंचे, जिसके बाद वह प्रार्थना करने के लिए पवित्र गुफा मंदिर की ओर रवाना हुए। अभिनेता के इस दौरे को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों में काफी उत्साह देखा गया। इस फिल्मी सितारे की एक झलक पाने की उम्मीद में कई लोग मार्ग और मंदिर परिसर के आसपास एकत्र हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि कुमार ने पवित्र गुफा मंदिर में माथा टेका और वापसी से पहले कुछ समय प्रार्थना करने में बिताया। उनका यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब आगामी वार्षिक अमरनाथ यात्रा और मौजूदा गर्मियों की छुट्टियों के मौसम के कारण देश भर से तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ मंदिर पहुंच रही है। अधिकारियों के अनुसार, अक्षय कुमार ने मां वैष्णो देवी की पवित्र प्राकृतिक गुफा में पूरी श्रद्धा के साथ माथा टेका। उन्होंने माता रानी की विशेष

पूजा—अर्चना की और वहां से वापस लौटने से पहले कुछ समय मंदिर परिसर में एकांत में प्रार्थना करते हुए बिताया। अक्षय कुमार का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब देश भर में गर्मियों की छुट्टियों का मौसम चल रहा है और साथ ही आगामी वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियां भी जोरों पर हैं। इन दोनों वजहों से देश के कोने—कोने से लाखों की तादाद में तीर्थयात्री माता के दर्शन के लिए कटरा पहुंच रहे हैं। भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और श्राइन बोर्ड ने अभिनेता की सुरक्षा और सुचारू दर्शन के लिए पुख्ता इंतजाम किए थे, ताकि अन्य आम श्रद्धालुओं को भी कोई असुविधा न हो।

शरवरी वाघ की Success बनी सनी कौशल संग ब्रेकअप की वजह? रिपोर्ट में हुआ चौंकाने वाला खुलासा!

मुम्बई। बॉलीवुड के गलियारों से एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। सबसे चर्चित कपल्स में से एक शरवरी वाघ और सनी कौशल के ब्रेकअप की वजह अब जाकर सामने आई है। खबरों की मानें तो दोनों के अलग होने के पीछे किसी तीसरे का हाथ नहीं, बल्कि उनका खुद का करियर और फेम है। दोनों के करियर ग्राफ में आए बदलाव ने उनके रिश्ते की दिशा ही बदल दी। शरवरी और सनी कौशल की मुलाकात कबीर खान की वेब सीरीज 'द फॉरगटन आर्मी—आजादी के लिए' के सेट पर हुई थी। इसी सीरीज के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उनके डेटिंग की अफवाहें उड़ने लगीं। सनी कौशल, जो कि सुपरस्टार विक्की कौशल के छोटे भाई हैं, उनके करियर को लेकर शुरुआत में लगा था कि वह काफी आगे जाएंगे। हालांकि, एक दशक से ज्यादा समय फिल्म इंडस्ट्री में बिताने के बाद भी सनी को वह मुकाम नहीं मिला, जिसकी उन्हें उम्मीद थी। फ्री प्रेस जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक अंदरूनी सूत्र ने दावा किया है कि दोनों के ब्रेकअप की असली वजह शरवरी का सनी से ज्यादा मशहूर होना है। 'मुंज्या' जैसी सुपरहिट फिल्म देने के बाद शरवरी का शेड्यूल काफी बिजी हो गया। सूत्र ने बताया, 'आज के समय में शरवरी, सनी से ज्यादा पॉपुलर हैं। इस वजह से दोनों के बीच चीजें थोड़ी अजीब होने लगी थीं। यही वजह है कि साल २०२५ में दोनों ने हमेशा के लिए अपनी राहें अलग कर लीं।' हालांकि, दोनों कलाकारों ने अभी तक इस पर खुलकर कोई बात नहीं की है। सनी कौशल से अलग होने के बाद अब शरवरी

का नाम उनके को—स्टार वेदांग रैना के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों ने हाल ही में रिलीज हुई इम्तियाज अली की फिल्म 'मेन वापस आऊंगा' में साथ काम किया है। हालांकि, शरवरी और वेदांग दोनों का यही कहना है कि वे सिर्फ बहुत अच्छे दोस्त हैं और उनके बीच ऐसा कुछ नहीं है। शरवरी का करियर इस समय र केट की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। वह यशराज फिल्म्स के बड़े बैनर की पसंदीदा एक्ट्रेस बन चुकी हैं। उनकी आने वाली बड़ी फिल्म 'अल्फा' है, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ एक्शन करती नजर आएंगी। यह फिल्म ३ जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक